nt>

Title: Regarding the issue of opening of AIIMS hospital in Jodhpur.

श्री जसवंत सिंह बिश्नोई : हमारी पिछली एन.डी.ए. सरकार ने देश में छः एम्स खोलने का निर्णय किया था, जिसमें एक जोधपुर में था। जोधपुर के एम्स का शिलान्यास पूर्व सरकार के मंत्रियों द्वारा किया जा चुका है। लेकिन अभी तक उस एम्स का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। जिसके कारण वहां की जनता में नाराजगी है और उसके विरोध में शिवसेना तथा कई संगठनों ने काफी दिनों से वहां धरना दे रखा है। एम्स केवल जोधपुर के लिए नहीं था, वह पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, पंजाब और हरियाणा आदि सबके लिए था। यह मानवता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। एम्स जैसा अस्पताल सरकार के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि था। अगर एम्स खुलता है तो उसका सीधा फायदा आम जनता को मिलता है* â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप कल नोटिस दीजिए।

श्री जसवंत सिंह बिश्नोई : मैं आपके माध्यम से खास तौर से केन्द्र सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि जो एम्स जोधपुर में खोलने का निर्णय लिया गया था, जिसका शिलान्यास भी हो चुका है, यह मानवता से जुड़ा हुआ प्रश्न है, उसका निर्माण कार्य जनहित में जल्दी से जल्दी शुरू कराया जाए।

MR. SPEAKER: Hon. Members, I have received a note from one of our colleagues here, a new hon. Member. He says:

> "We, the young Members of Parliament, would like to listen to both the arguments peacefully on any controversial matter from both the Ruling Party and the Opposition Parties. Rather than wasting our valuable debating time in the Parliament, we should like to learn from our learned Parliamentarians. Please, Sir, make them understand about our feelings."

This is the feeling of some new hon. Member. It is also our duty to cooperate with the new hon. Members. Now, I think, we should all give proper respect to this feeling. I am appealing to every hon. Member that we should not set examples which people will criticise us for. The new hon. Members will feel disheartened in this matter. Therefore, we shall give opportunity to everybody.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी, आप जानते हैं और मैंने आपको बोला है कि आप कल नोटिस दीजिए, हम कल आपको मौका देंगे। आप बीच में क्यों टोकते हैं।

श्री प्रभुनाथ सिंह : बहुत महत्वपूर्ण मामला है।